

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, लिट। और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 7

© 2020, डॉ. टेड हिल्डेब्रांट,

यह पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र में डॉ. टेड हिल्डेब्रांट हैं, उत्पत्ति 3 पर व्याख्यान 7, केन और एबेल कथा पर पतन और उत्पत्ति अध्याय 4।

ए. समीक्षा और पूर्वावलोकन [0:00-1:46]

अगले सप्ताह के लिए आप लोग लेवितिकस की पुस्तक देख रहे हैं जो आपके लिए कुछ काम की होगी। अभी दो लेख हैं। यह सारी सामग्री हमेशा की तरह वेब पर है, बस वेब पर जाएं और दो लेख वहां मौजूद हैं। डॉ. विल्सन की पुस्तक *अवर फादर अब्राहम में* दो लेखों और फिर लेवितिकस में चुनिंदा अध्यायों के साथ कुछ पाठ्य सामग्री है। मैंने लेवितिकस की पुस्तक में से उन लोगों को चुना जो मुझे लगता है कि आपके लिए सबसे अधिक सार्थक होंगे। अगले सप्ताह हम भजन 23 "प्रभु मेरा चरवाहा है" को याद करना समाप्त कर देंगे। तो वह आ रहा है।

हम वापस अंदर कूदना चाहते हैं, और मैं ईडन गार्डन से बाहर निकलना चाहता हूं। एक मेहमान यहाँ आता है और मैंने सोचा कि कितना अच्छा होता यदि हम इब्राहीम के साथ फ़िलिस्तीन की भूमि पर घूम रहे होते। वह पूछता है कि आप पाठ्यक्रम में कहाँ हैं, और आप कहते हैं, "अच्छा, हम अभी भी ईडन गार्डन में थे," और इसलिए हम उस पर काम करने का प्रयास करेंगे। पिछली बार हमने नाग और नागिन के बारे में बात की थी जो महिला से सच बोलते थे लेकिन साथ ही झूठ भी बोलते थे। साथ ही, हमने नागिन की कपटपूर्णता और सूक्ष्मता के बारे में भी बात की। हमने मूल रूप से नोट किया कि साँप ने कहा था कि वे परमेश्वर के समान बन जायेंगे। अध्याय 3.22 में भगवान स्वयं कहते हैं कि, "अब मनुष्य [मनुष्य], अच्छे और बुरे को जानने वाले हमारे समान हो गए हैं।" तो जाहिर तौर पर शैतान उस विश्लेषण में सही था।

बी. अच्छाई और बुराई के ज्ञान का वृक्ष: भगवान, हम और बुराई [1:47-5:25]

आज मैं जो करना चाहता हूँ वह यह पूछना है: अच्छे और बुरे के ज्ञान के वृक्ष का फल खाकर आदम और हव्वा भगवान के समान कैसे बन गए? मैं सबसे पहले इस पर काम करना चाहता हूँ: क्या आप वस्तुनिष्ठ ज्ञान और व्यक्तिपरक ज्ञान के बीच अंतर जानते हैं? वस्तुनिष्ठ ज्ञान

आपके बाहर की अच्छाई का ज्ञान है। व्यक्तिपरक ज्ञान आपके अंदर अच्छाई का ज्ञान है (आपके अंदर व्यक्तिपरक अर्थ)। वस्तुनिष्ठ - बाहर, और व्यक्तिपरक - अंदर है। क्या ईश्वर को अपने से बाहर अच्छाई का ज्ञान था ? उन्होंने सारी सृष्टि को देखा और उन्होंने घोषणा की कि यह अच्छी है (*टीओवी*) और इसके पूरा होने के बाद उन्होंने घोषणा की कि यह अच्छी है (*टीओवी*) / *मुझे*, बहुत अच्छा. तो वहाँ अच्छा था, खुद के बाहर. मैं यह स्वीकार करना चाहता हूँ कि भगवान को अपने से बाहर अच्छाई का ज्ञान है। क्या ईश्वर के अंदर आत्मपरक ज्ञान है? हाँ। क्या ईश्वर बुराई जानता है? यदि ईश्वर कोई बुराई नहीं जानता तो वह भोला है। भगवान भोला नहीं है. ईश्वर बुराई जानता है, लेकिन क्या यह ईश्वर के अंदर है या उसके बाहर? अब, क्या वह अपने अंदर बुराई का अनुभव करता है? नहीं, हम कहते हैं कि ईश्वर पूर्ण, अच्छा, धर्मी और पवित्र है--तो, नहीं। तो यही वह ज्ञान संरचना है जिसे मैं ईश्वर के साथ देखना चाहता था।

आइए अब प्रलोभन में आने से पहले आदम और हव्वा को देखें। क्या आदम और हव्वा को पतन से पहले अपने से बाहर अच्छाई का ज्ञान था? आदम और हव्वा को अपने से बाहर अच्छाई का वस्तुनिष्ठ ज्ञान था। क्या आदम और हव्वा पतन से पहले अपने अंदर की अच्छाई को जानते थे? हाँ, वे जानते थे कि ईश्वर ने उन्हें अच्छा बनाया है, और इसलिए उन्हें अच्छाई का व्यक्तिपरक ज्ञान था। प्रलोभन से पहले, क्या वे किसी भी तरह से बुराई जानते थे? नहीं, तो क्या वे इस बिंदु पर भगवान के समान हैं या भगवान के विपरीत हैं? वे ईश्वर से भिन्न हैं क्योंकि उनके पास बुराई का कोई बाहरी वस्तुनिष्ठ अनुभव नहीं है।

प्रलोभन के बिंदु पर, इससे पहले कि वे वास्तव में भाग लेते, उस बिंदु पर शैतान कहता है "अरे, फल खाओ।" वे अपने से बाहर की बुराई का वस्तुनिष्ठ ज्ञान प्राप्त करते हैं। वे इसे सर्प में अनुभव करते हैं। इस बिंदु पर, क्या वे परमेश्वर के समान बन गये? यह झूठ है, क्योंकि न केवल उन्हें यह वस्तुनिष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ, बल्कि जब उन्होंने फल खाया, तो उन्हें क्या प्राप्त हुआ? बुराई का व्यक्तिपरक ज्ञान. क्या ये झूठ है? हाँ। साँप/शैतान उन्हें बुराई में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। तो, एक अर्थ में, क्या वे अपनी भागीदारी और बुराई के मामले में भगवान से आगे निकल गए? हाँ। वे इस बिंदु पर अच्छे और बुरे को जानने के बाद भगवान की तरह बन जाते हैं, लेकिन समस्या यह है कि वे भगवान से परे जाते हैं और बुराई में भाग लेते हैं। तो, यह इसे देखने का एक तरीका है।

सी. प्रलोभन की प्रक्रिया [5:26-8:19]

मैं प्रलोभन की प्रक्रिया से गुजरना चाहता हूँ और इसे बहुत जल्दी करना चाहता हूँ। उत्पत्ति 3.6 में यह कहा गया है, “अब साँप यहोवा परमेश्वर द्वारा बनाए गए किसी भी जंगली जानवर से अधिक चालाक था। स्त्री ने सर्प से कहा, हम बाटिका के किसी वृक्ष का फल खा सकते हैं, परन्तु परमेश्वर ने कहा है, कि हमें बाटिका के बीच के वृक्ष का फल न खाना चाहिए।” पद 5 में जाते हुए सर्प कहता है, “परन्तु परमेश्वर जानता है, कि जब तुम उसमें से खाओगे, तब तुम्हारी आँखें खुल जाएंगी, और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।” यह प्रलोभन प्रक्रिया है। आइए इसे तोड़ें। “जब स्त्री ने देखा कि पेड़ का फल खाने के लिये अच्छा है।” मैं इसे “शरीर की अभिलाषा” कहना चाहता हूँ। मैं जो करना चाहता हूँ वह इन दो छंदों की तुलना करना है। 1 यूहन्ना 2.16, “जो कुछ संसार में है - शरीर की अभिलाषा, आँखों की अभिलाषा और जीवन का अभिमान” उन तीन चीजों को सूचीबद्ध करता है। इसमें तीन चीजों की सूची है और वही तीन चीजें जो 1 यूहन्ना 2.16 में हैं, बिल्कुल उत्पत्ति 3 में फिट बैठती हैं। सबसे पहले, शरीर की लालसा है: यह भोजन के लिए अच्छा है। “आँखों की अभिलाषा” बाइबल कहती है “यह आँखों को भाता था।” फल सचमुच बहुत अच्छा लग रहा था। तब जीवन का गौरव आता है और इसे जाँचें, इसका उपयोग “ज्ञान प्राप्त करने के लिए” किया जाता है। यह ज्ञान प्राप्ति का फल था। आपमें से कितने लोग इसके लिए भुगतान करेंगे? तुम फल खाओगे और बुद्धिमान हो जाओगे। यह आपको कॉलेज जाने से बचाएगा। आप भोजन कक्ष में जा सकते हैं और फल खा सकते हैं और आप बुद्धिमान बन जायेंगे। इस फल के साथ बुद्धि का कनेक्शन है। उत्पत्ति 3 में बहुत सारे ज्ञान के रूप हैं। इसलिए वही पैटर्न 1 यूहन्ना 2 में प्रलोभन की प्रक्रिया में पाया जाता है: शरीर की वासना, आँखों की वासना, और जीवन का घमंड जैसा कि प्रलोभन में है जनरल 3 में साँप।

अब क्या होगा? पुरुष की दुविधा, क्या स्त्री से भिन्न है? शैतान उससे सीधे बात करता है; वह नागिन से संवाद करती है। मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि एडम की दुविधा अलग है। वह एकमात्र चीज़ क्या है जिसका एडम ने कभी अनुभव किया है जिसके बारे में वह जानता है कि वह अच्छी नहीं है? एडम ने “अच्छा नहीं” अनुभव किया है। “मनुष्य के लिए अकेला रहना अच्छा नहीं है।” क्या वह यह जानता था? हाँ। उसके पास वह अनुभव था और इसीलिए ईव बनी थी। अब उसे क्या सामना

करना पड़ रहा है? एडम का प्रलोभन अलग है क्योंकि एडम अब इस तथ्य का सामना कर रहा है कि ईव ने फल खाया है। यदि एडम कहता है, "नहीं, मुझे फल नहीं चाहिए," वह फिर क्या है? वह अब फिर से अकेला है। उसने फल खाया था और बुराई में भाग लिया है, इसलिए एडम का प्रलोभन अलग है। हालाँकि, वह उसे फल देती है और एडम खाता है। तो अब वे वही हैं, लेकिन वे अभी भी अलग तरह से प्रलोभित हैं।

डी. पतन के परिणाम [8:20-18:10]

अब यहाँ गिरावट के परिणाम हैं। क्या मानवीय कार्यों और विकल्पों के परिणाम होते हैं? सोलह साल के बच्चे और बाईस साल के बच्चे में क्या अंतर है? मुझे अपने बेटे का उपयोग करने दो। मेरा बेटा जब सोलह साल का था और बाईस साल का था, दोनों में क्या अंतर है? 16 साल की उम्र में क्या उसने सोचा था कि वह जीवन में कुछ कर सकता है और इसका कोई परिणाम नहीं होगा? एक युवा व्यक्ति कुछ करता है और सोचता है, "मैं यह कर सकता हूँ और इससे बच सकता हूँ" या "कोई परिणाम नहीं होगा" या "मैं परिणामों पर काबू पा सकता हूँ।" तो, सोलह साल की उम्र में, उसने सोचा कि इसका कोई परिणाम नहीं होगा। उसके मामले में, वह नौसैनिकों में शामिल हो गया, जिससे उसकी माँ और मेरी माँ को बहुत निराशा हुई और वह अफगानिस्तान चला गया और वह इराक चला गया। उनके एक मित्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई; दूसरे को गर्दन में गोली मारी गई। वे अच्छे दोस्त थे। दरअसल उनका दोस्त यूट्यूब पर है। गर्दन पर गोली लगने से वह बच गया और उसे एक पैच मिला है और हमने उसे मेडिवैक हेलीकॉप्टर की ओर भागते देखा है। गर्दन पर गोली लगने से वह बच गया। यह धमनी से लगभग एक मिलीमीटर चूक गया। मेरा बेटा जब सोलह वर्ष का था तो वह अमर था, वह बिना परिणाम के कुछ भी कर सकता था। बाईस साल की उम्र में, क्या अब वह जानता है कि मृत्यु दर क्या है और वह मर सकता है? हाँ वह करता है। क्या इससे जीवन को देखने का उसका नजरिया बदल जाता है? हाँ, क्योंकि अब वह यह समझता है: कार्य और परिणाम। क्या क्रियाएं परिणामों से जुड़ी हैं? क्या यह उस व्यक्ति के बीच अंतर है जो सोलह वर्ष का है और अब, उसके मामले में, बाईस वर्ष का है? हालाँकि जब मैं उससे बात करता हूँ तो ऐसा लगता है जैसे मैं बाईस साल के बूढ़े आदमी से बात कर रहा हूँ, यह बहुत दयनीय है, क्योंकि उसने जीवन में बहुत कुछ देखा है, बहुत कुछ।

तो मैं यहां जो सुझाव दे रहा हूं वह यह है कि कार्य और परिणाम के बीच का संबंध पवित्रशास्त्र में वास्तव में बड़ा है। वैसे, हम नीतिवचन की किताब के साथ ज्यादा कुछ नहीं करेंगे, लेकिन अगर मैं नीतिवचन की पूरी किताब का सारांश बताऊं, तो नीतिवचन काफी हद तक युवा व्यक्ति को बता रहा है कि कार्य और चरित्र परिणामों से जुड़े हुए हैं। कर्म और चरित्र से परिणाम मिलते हैं। तो अब हम इस अवधारणा को देखते हैं। इसके परिणाम हैं।

आदम और हव्वा पाप करते हैं, वे वयस्क हैं, और इसके परिणाम भी हैं। यहाँ क्या होता है कि ईश्वर और मनुष्य के बीच परिणाम होते हैं। आदमी छिप जाता है। वह कहाँ छिपता है? वह झाड़ियों में छिप जाता है। तो भगवान चलते हुए आते हैं, और पूछते हैं, "तुम कहाँ हो?" उन्होंने उत्तर दिया, "मैंने तुम्हें बगीचे में चलते हुए सुना और मैं डर गया।" ध्यान दें कि अब ईश्वर के प्रति मनुष्य की प्रतिक्रिया भय की है। लेकिन याद रखें कि भगवान का डर क्या है? अब आप कहते हैं, "लेकिन डर का मतलब वास्तव में डर नहीं है।" सच में? क्या वह सच है? इसलिए हमें इस बारे में एक बड़ी चर्चा करनी होगी कि ईश्वर से डरने का क्या मतलब है। वह आ रहा है। लेकिन यहां इंसान डर और शर्म से छिपा हुआ है। तो क्या होता है वह कहता है, "मैं छिप गया क्योंकि मैं नग्न था।"

परमेश्वर ने कहा, तुझ से किसने कहा कि तू नंगा है? क्या तुमने उस वृक्ष का फल खाया है जिसका फल मैंने तुम्हें न खाने की आज्ञा दी थी?" वह आदमी साहसपूर्वक कहता है, "मैंने यह किया। वह मैं था। उसे दोष मत दो। यह गलत था। मैं मरने के लायक हूं, उसे दोष मत दो। नहीं, ठीक है, यह पहला आदमी है, वह जाता है, इसे जांचें यह बहुत दयनीय है, आदमी ने भगवान से कहा - "जिस महिला को आपने मेरे साथ यहां रखा है उसने मुझे फल दिया और मैंने पेड़ का फल खाया।" तो भगवान क्या करता है? "प्रभु ने स्त्री से कहा, 'तुमने यह क्या किया है?'" और स्त्री कहती है, "मैं नहीं, मैं नहीं, यह साँप था!" तो फिर भगवान कहते हैं, "सर्प, चलो तुमसे शुरू करते हैं।" इस प्रकार भगवान पुरुष से स्त्री की ओर और अंत में सर्प की ओर बढ़ते हैं। तब सर्प को पहला श्राप मिलता है।

अब मुझे इसे खत्म करने के लिए वापस जाने दीजिए। अब आपके पास जो कुछ है वह ईश्वर और उसके लोगों के बीच अलगाव है। ईश्वर अपने लोगों के साथ यहाँ यही अवधारणा है। क्या आप जानते हैं इस शब्द का क्या मतलब है? "इमैनुएल।" आप अंत में "एल" शब्द देखते हैं, इसका हिब्रू

में अर्थ "भगवान" है। इमैनुएल का अर्थ है "भगवान हमारे साथ।" होता यह है कि भगवान उनके साथ बगीचे में चलते हैं और उनसे बातें करते हैं। भगवान अपने लोगों के साथ हैं, लेकिन अब जब उन्होंने पाप किया है तो एक अलगाव हो गया है जहां इंसान छिप जाते हैं। तो क्या होता है? आप पवित्रशास्त्र में जो खोजने जा रहे हैं वह यह है कि भगवान अब फरार हो गए हैं। दूसरे शब्दों में, बगीचे में जो ईश्वर आपके साथ है, उसके बजाय अब छिपा हुआ ईश्वर है। अब, भगवान छिपा हुआ है। आदमी उससे छिप गया। क्या किसी को याद है, जब आप लोग एक्सोडस पढ़ते हैं, तो क्या लोग पहाड़ पर भगवान को देखते हैं और सिनाई पर्वत पर पहाड़ हिल रहा है, लोग क्या हैं? क्या वे कहते हैं, "भगवान अपने आप को दिखाओ," या क्या वे कहते हैं, "बस बहुत हो गया, पीछे हट जाओ।" तो भगवान मूल रूप से मानव जाति के चारों ओर इस फरार या छिपी हुई स्थिति में चले गए हैं। वैसे, बाकी पवित्रशास्त्र क्या करता है? क्या उत्पत्ति 1-3 से बाइबल का शेष भाग हमें बताता है कि परमेश्वर अपने लोगों के साथ कैसे वापस आता है? यीशु ने फिर कहा, "उसे यीशु कहा जाएगा क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।" और उसे क्या कहा जाता है? "इमैनुएल" - भगवान हमारे साथ हैं। तब यीशु वापस चला जाता है, अब आत्मा हम में वास करता है। अंततः, मसीह वापस आता है और हमें अपने साथ रहने के लिए इकट्ठा करता है: "और इस प्रकार हम सदैव प्रभु के साथ रहेंगे।"

तो अंततः सारा धर्मग्रंथ, वह सब उस समय की ओर इशारा कर रहा है जब मनुष्य परमेश्वर के साथ वापस आएँगे। उत्पत्ति 3 में जो कुछ घटित हुआ, परमेश्वर उसका विवरण मुक्त रूप से तैयार कर रहा है। उत्पत्ति 3 में क्या घटित हुआ? बाइबल का शेष भाग परमेश्वर का महान मुक्तिदायक कार्य है जिसके द्वारा परमेश्वर अपने लोगों को छुटकारा दिलाता है। वह तम्बू में आता है। वह कहाँ रहता है? आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांट, आपने उन तम्बू अध्यायों को छोड़ दिया इसलिए हमने इसे नहीं पढ़ा।" तम्बू में परमेश्वर अपने लोगों के बीच में निवास करता है। जब सुलैमान ने मन्दिर बनाया, तो क्या हुआ? शकीना की महिमा, "महिमा का बादल", नीचे आता है और भगवान अपने लोगों के साथ निवास करते हैं। यीशु के साथ अब हमारे पास परमेश्वर अपने लोगों के साथ देह में है। तो पवित्रशास्त्र का बाकी भाग इस ईश्वर एक्सोडस, छिपा हुआ, इमैनुएल बनने वाला है - ईश्वर फिर से अपने लोगों के साथ। यह अंततः हमें हमेशा-हमेशा के लिए ईश्वर के साथ रहने के

लिए आकर्षित करता है। क्या ईडन गार्डन से बाइबिल शुरू होती है, लेकिन क्या ईडन गार्डन से बाइबिल का अंत भी होता है जहां हम अंत में फिर से भगवान की उपस्थिति में वापस आ जाते हैं? क्या यही बड़ी आशा है? क्या ईसाई आशावादी लोग हैं? "ओह, दुनिया में सब कुछ गलत हो रहा है और यह जगह नष्ट होने वाली है।" प्रश्न: क्या ईसाई लोग आशावान हैं? हां, क्योंकि हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं जब हम हमेशा के लिए भगवान के साथ रहेंगे और ईडन गार्डन फिर से देखा जाएगा।

यहाँ और क्या होता है? क्या मनुष्य पाप से प्रभावित हैं? हम जानते हैं कि मनुष्य मरते हैं। बाइबल क्या कहती है: "पाप की मज़दूरी मृत्यु है।" तो बगीचे के पापों से बाहर आकर मानव जाति मर जाती है। क्या केवल मानव जाति ही पाप में गिरने से प्रभावित हुई है? बाइबल कहती है, "नहीं, सारी प्रकृति, सारी सृष्टि," रोमियों 8.22, कहती है "सारी सृष्टि मुक्ति के आने वाले दिन की प्रतीक्षा में कराह रही है।" सृष्टि स्वयं ईश्वर के इस महान मुक्तिदायी कार्य के घटित होने की प्रतीक्षा में कराहती है। सृष्टि कैसे कराहती है? आपके यहां अकाल, सुनामी, भूकंप, महामारी, बीमारी, कैंसर और ये सभी बुरी चीजें घटित हो रही हैं। प्रकृति स्वयं आने वाले दिन का इंतजार कर रही है जब चीजें सही होंगी। क्या आपमें से कुछ लोगों को एहसास हुआ है कि दुनिया में चीजें कितनी गड़बड़ हैं और क्या आपको चीजों को सही करने की लालसा का एहसास हुआ है? किसी दिन यह चीज़ सही हो जायेगी और इसका अर्थ समझ में आ जायेगा। जो भी चीज़ें गलत हैं उन्हें सही किया जाएगा और हम उसके लिए तरसते हैं और सृजन के साथ-साथ हम उसके लिए कराहते हैं। रोमियों में यह पद इसी बारे में बात कर रहा है "सारी सृष्टि मुक्ति के उस आने वाले दिन की प्रतीक्षा में कराह रही है।"

जहाँ तक हमारे शरीर का सवाल है लोगों का क्या होता है? वे धूल से निकलते हैं और फिर मृत्यु में लौट आते हैं। "तुम मिट्टी से हो, मिट्टी में ही लौट आओगे।" शरीर में एक टोल चुकाया जाता है। वैसे, जब यीशु मृतकों में से जी उठे, तो क्या केवल उनकी आत्मा ही मृतकों में से जी उठी? या, क्या वह शरीर और सब कुछ उगता है? वह शरीर में उगता है जैसा कि "मेरी बगल में अपनी उंगली डालो" इत्यादि से प्रमाणित होता है। क्या हमारा शरीर ऊँचा हो जाता है? हाँ। हम, हमारे शरीर सहित, हम सभी मृतकों में से जीवित हो उठे हैं।

स्त्री-पुरुष में द्वंद्व और दोषारोपण होता है। पुरुष स्त्री को दोष देने लगता है, स्त्री पुरुष को,

लेकिन इस संदर्भ में पुरुष स्त्री को दोष देता है। क्या एडम एक खड़ा आदमी है? नहीं, लड़का अपनी पत्नी को दोषी मानता है। यह एक अच्छा कदम है, मैंने इसे कई बार किया है। मैं उस आदमी को दोष नहीं देता (वास्तव में मैं दोष देता हूँ)। इसलिए यह आंदोलन संघर्ष और दोषारोपण का है। मैं पिछले दरवाजे से आकर इस थीम को विकसित करना चाहता हूँ।

ई. उत्पत्ति 3 का श्राप: सर्प का श्राप [18:11-23:30]

तो आइए श्रापों के बारे में जानें। हम सर्प से शुरुआत करेंगे और वहां से स्त्री तक काम करेंगे। भगवान क्या करता है? एडम स्त्री को दोष देता है और स्त्री सर्प को दोष देती है। भगवान साँप से शुरू करते हैं और फिर स्त्री की ओर बढ़ते हैं और अंततः पुरुष की ओर वापस आते हैं।

सर्प आता है और परमेश्वर उससे अध्याय 3.14 में कहता है, “तब परमेश्वर ने सर्प से कहा, ‘क्योंकि तू ने ऐसा किया है, तू सब घरेलू पशुओं और सब बनैले पशुओं से अधिक शापित है; तुम अपने पेट के बल रेंगोगे और धूल खाओगे।’” वैसे, क्या इस “धूल” शब्द पर कोई नाटक है? एडम का नाम क्या है? उसे *आदम कहा जाता है* क्योंकि वह *आदमः* [धूल] से लिया गया है। तो उसका नाम “डस्टी” है। साँप क्या खाता है? धूल। क्या इस धूल पर कोई खेल है? क्या एडम/डस्टी वापस मिट्टी में मिल जाएगा? वही उसकी मौत है। तो एक चक्र चल रहा है।

आपके साथ ईमानदार होने के लिए क्या एडम का नाम वास्तव में “एडम” था? आपको एहसास है कि एडम का नाम एडम नहीं था, जैसा कि मैं यहां खड़ा हूँ। ईव का नाम ईव नहीं था। 2000 ईसा पूर्व से पहले हिब्रू भाषा अस्तित्व में नहीं थी इसलिए एडम का नाम किसी अन्य भाषा में रहा होगा। लेकिन क्या उसके नाम का मतलब अब भी “धूल भरा” होगा। नाम का अर्थ शायद अब भी वही था, लेकिन हिब्रू भाषा 2000 ईसा पूर्व से पहले अस्तित्व में नहीं थी इसलिए आपको सावधान रहना होगा। क्या लड़के का नाम वास्तव में पीटर है या भाषाओं के बीच जाने पर यह कुछ और है।

यीशु का नाम कैसे उच्चारित किया गया? ग्रीक में यीशु के नाम का उच्चारण *येहसस किया जाता है*। अब हिब्रू में यीशु का नाम होगा, देखें कि क्या आप इस नाम को पहचानते हैं: “यहोशू।” उसका नाम *येहोशू था*, क्या आप यहोशू सुन सकते हैं। इसका मतलब है “यहोवा बचाता है।” उसका नाम “यीशु इसलिए रखा गया क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।” यह

उसके नाम का अर्थ लेता है, भले ही यह जोशुआ है, और ग्रीक में " येहसस " के रूप में आता है। इसलिए भाषाओं के बीच नाम परिवर्तन होते रहते हैं।

चलो नागिन पर वापस आते हैं। साँप धूल खाता है. उत्पत्ति 3.15 बाइबिल में वास्तव में महत्वपूर्ण छंदों में से एक है। यह सचमुच एक महत्वपूर्ण श्लोक है. पृथ्वी की तिथि और आयु पर कुछ विवाद, जैसा कि आप जानते हैं, ये प्रश्न उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं क्योंकि बाइबल वास्तव में ऐसा नहीं कहती है। लेकिन उत्पत्ति 3.15 कुछ बहुत दिलचस्प बातें कहता है। भगवान सर्प से कहते हैं, "ठीक है, सर्प, तुम अपने पेट के बल चलोगे और धूल खाओगे।" यह भी कहता है, "मैं तेरे और इस स्त्री के बीच में, और तेरे वंश और उसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूंगा। वह [यह "वह" कौन है?] तुम्हारा सिर कुचल देगा।" नाग का सिर कौन कुचलेगा? अभी यीशु के पास मत जाओ। यहाँ इस सन्दर्भ में यह "वह" कौन है? यह महिला की संतान है. शैतान के पुत्रों, और स्त्री की संतानों के बीच मैं तुम्हारे और तुम्हारी संतान के बीच शत्रुता पैदा करूंगा। स्त्री के सन्तान तेरे सिर को कुचल डालेंगे, और साँप उसकी एड़ी को डसेगा। तो, इस परिच्छेद में आपके पास यह "प्रोटो- इवेंजेलियम " है। प्रोटो का अर्थ है "प्रथम।" तो प्रोटो- इवेंजेलियम का अर्थ है "पहला सुसमाचार।" तो भगवान शैतान और साँप पर इस पहले श्राप में क्या कहते हैं, वह कहते हैं कि यह स्त्री के वंश और साँप के वंश के माध्यम से होगा कि शत्रुता होगी, वहाँ संघर्ष होगा। स्त्री का वंश, स्त्री के वंशजों में से एक साँप के सिर को कुचल देगा। वह कौन है जो नाग के सिर को कुचलने आ रहा है। यह यीशु ही होगा जो ऐसा करेगा। कुछ लोग इसे, मेरी ही तरह, सुसमाचार के पहले संदेश के रूप में लेते हैं, जिसमें कहा गया है कि इस महिला के माध्यम से, आशा है कि साँप पराजित हो जाएगा, कि शैतान के वंशज पराजित हो जाएँगे। स्त्री के बीज से ही यह होने वाला है। इसका मतलब है कि फिर उम्मीद है. पहले अभिशाप से ही, ऐसी आशा है कि शैतान विजयी नहीं होगा, मृत्यु और धूल विजयी नहीं होगी, लेकिन स्त्री का वंश उसके सिर को कुचल देगा। तो साँप और शैतान पर इस श्राप में यही आशा है।

एफ. महिला पर अभिशाप [23:31-45:56]

महिला की ओर आगे बढ़ें. "उस ने स्त्री से कहा, मैं तेरे प्रसव पीड़ा को बहुत बढ़ा दूंगा, और तू पीड़ा सहकर बच्चे जनेगी।" मैं इसे व्यक्तिगत अनुभव से नहीं जानता, लेकिन मैंने इसे देखा है।

यह मेरे जीवन की सबसे साफ-सुथरी चीज़ों में से एक थी। मेरे चार बच्चे और एक पोता है और मैंने अपने चारों बच्चों का जन्म देखा है। क्या बच्चे पैदा करने में दर्द होता है? हाँ।

आखिरी बच्चे के बारे में, जिसके बारे में मैंने आपको बताया था, इलियट, जो मरीन [पैदल सेना] में गया था। जब इलियट का जन्म हुआ तो वह वास्तव में समय पर नहीं आया। तो हम वहां हैं। मैं अपनी पत्नी के सिरहाने खड़ा हूँ और आप यह श्वास लेते हैं। यह अब वास्तव में पुरानी बात है। इसलिए मैं सांस लेने की दिनचर्या शुरू करता हूँ। नर्स वहाँ नीचे है। मैं सोच रहा हूँ, डॉक्टर कहां है? डॉक्टर यहां नहीं है। नर्स मेरी ओर देखती है और कहती है, “अरे, तुम डॉक्टर हो, है ना? मुझे यहां मदद की ज़रूरत है।” मैंने कहा, “महिला, मैं एक डॉक्टर हूँ लेकिन उस तरह का डॉक्टर नहीं हूँ। मैं साँस लेता हूँ। मैं यह काम सचमुच बहुत अच्छे से कर सकता हूँ।” मैं ये सब बहाने बनाना शुरू कर देता हूँ, मैं सचमुच घबरा रहा हूँ। अगर वह मुझसे नीचे जाने के लिए कहेगी तो मैं बेहोश हो जाऊँगा। मैं इसका अंत यहीं करता हूँ मैं वह अंत वहां नहीं करता। वह कहती है, “अभी यहीं उतर जाओ। बच्चा आने वाला है, मुझे अभी मदद की ज़रूरत है।” कोई डॉक्टर नहीं है। पवित्र गाय, मैं बेहोश नहीं हुआ। मैंने इलियट को पहुंचाने में मदद की और शायद यही उसके साथ गलत है। ये टेप पर भी है। क्षमा करें इलियट। लेकिन वास्तव में मैंने इलियट को हमारे चौथे बच्चे को जन्म देने में मदद की। वह ठीक था। आधे घंटे बाद डॉक्टर वहाँ अकड़ता हुआ आता है और ऐसा लगता है, “तुम कहाँ थे?” क्या आप जानते हैं इससे भी बदतर क्या था? उस आदमी ने मुझसे 1200-1500 रुपये वसूले और मैं कह रहा हूँ कि एक मिनट रुकिए, मैंने बच्चे को जन्म दिया है, मैं आपको एक बिल मित्र भेजने जा रहा हूँ। दरअसल वह एक निजी मित्र और अच्छे डॉक्टर हैं लेकिन उनका आधे घंटे देर से आना एक समस्या थी।

आप इसे लेकर कहां जा रहे हैं? तो मेरी पत्नी वहां है; मैं एक ईसाई हूँ और बाइबिल कहती है, “उसे बच्चे पैदा करने में दर्द होगा।” तो यहाँ मेरी बात है। अगर मैं कहूँ, “मेरी पत्नी को बच्चे पैदा करने में दर्द सहना पड़ता है क्योंकि वह एक ईसाई है और बाइबल कहती है कि उसे बच्चे पैदा करने में दर्द होगा,” क्या यह ठीक है? यह हास्यास्पद है। क्या हम अभिशाप के विरुद्ध लड़ते हैं? हाँ। अभिशाप से लड़ने के लिए हम उसे एनेस्थीसिया देते हैं। दोस्तों, हम मौत के पास जाते हैं, हम क्या कहते हैं? “भगवान ने हमें मरने का श्राप दिया है, इसलिए हमें हार मान लेनी चाहिए।” नहीं, हम

अभिशाप के विरुद्ध लड़ते हैं। तो, हम अभिशाप के खिलाफ लड़ते हैं। महिला को प्रसव पीड़ा होगी, क्या आप उसे एनेस्थीसिया देते हैं, क्या आप अभिशाप के खिलाफ लड़ते हैं? हाँ आप कीजिए। आप अभिशाप के विरुद्ध लड़ें। आप अभिशाप के विरुद्ध लड़ते हैं, इसीलिए भगवान रेड सॉक्स से प्यार करते हैं। दोस्तों, यदि आप शादी करते हैं तो सुनिश्चित करें कि आप अपने बच्चों के जन्म के समय ही मौजूद हों क्योंकि यह आपके जीवन की सबसे अद्भुत चीज़ होगी। यह आपकी पत्नी के लिए भी वास्तव में महत्वपूर्ण है।

तो वहां उसका दर्द है और यहां कुछ और होता है और यह वास्तव में मुश्किल है। हम अभिशाप के विरुद्ध लड़ते हैं, और इसे सुनते हैं। उत्पत्ति 3.16 का क्या अर्थ है? इसमें यह कहा गया है: "तुम्हारी इच्छा तुम्हारे पति के लिए होगी, [यह महिला के श्राप का हिस्सा है] और वह तुम पर शासन करेगा।" यह महिला के श्राप का हिस्सा है। "महिला की इच्छा" क्या है? "स्त्री अपने पति की लालसा करेगी, परन्तु वह उस पर प्रभुता करेगी।" तो इस बेहद पेचीदा कविता में बड़ा सवाल यह है कि "महिला की इच्छा" क्या है? उत्पत्ति 3.16 का क्या अर्थ है?

अब सबसे पहले, वह अपने पति की यौन इच्छा करेगी और वह "वापस, वापस" कहेगा और ब्रेक लगा देगा। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि यह यथार्थवादी नहीं है। आमतौर पर शादी में ऐसा नहीं होता है और मेरी शादी को 36 साल हो गए हैं। क्या इसका मतलब यह है कि वह अपने पति की यौन इच्छा करेगी? आमतौर पर शादी में ऐसा नहीं होता है, कम से कम मेरे अनुभव से।

अन्य लोगों का सुझाव है कि उसकी इच्छा अपने पति के लिए होगी, अर्थात् वह अपने पति के अधीन रहने की इच्छा करेगी और वह उस पर शासन करेगा। मेरी शादी दुनिया की सबसे अच्छी महिलाओं में से एक से हुई है। वह आश्चर्यजनक रूप से दयालु, देखभाल करने वाली और सौम्य व्यक्ति हैं; क्या उसकी इच्छा अपने पति के अधीन रहने की है। हाँ सही। इसलिए मैं इसकी वास्तविकता पर सवाल उठाता हूँ। गॉर्डन कॉलेज से स्नातक करने के लिए आपको फ़िडलर को छत पर देखना होगा। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो बाहर जाते समय डॉ. विल्सन आपको उस एयर-गन से मार देंगे। आपको फ़िडलर को छत पर देखना होगा। यह सिर्फ एक हिल्डेब्रांड्ट चीज है और मैं यहां ज्यादा मायने नहीं रखता। एक ऐसी फिल्म है जो मुझे लगता है कि वास्तव में महत्वपूर्ण है। मैं दूसरी तरफ ग्रीक भी पढ़ाता हूँ। इसे "माई बिग फैट ग्रीक वेडिंग" कहा जाता है। यह वैध है। मेरा

एक दोस्त है जो पूरी तरह से ग्रीक है और उसने कहा कि फिल्म इसे "टी" के रूप में वर्णित करती है। पति अंदर आता है, "पति परिवार का मुखिया है।" और दो महिलाएं किनारे पर हैं। दुर्भाग्य से मैं और मेरी पत्नी इसे एक साथ देख रहे थे। पति अंदर आता है, "पति घर का मुखिया है।" पत्नी पलट जाती है और उसे एक कम उम्र की महिला मिल गई है जिसे वह सलाह देने की कोशिश कर रही है। और वह कहती है, "हाँ, प्रिय, पति घर का मुखिया है।" फिर वह लड़की की ओर मुड़ती है और कहती है, "हाँ, पति घर का मुखिया है लेकिन पत्नी गर्दन है और वह जहां चाहती है वहां सिर घुमा देती है।" मैं अपनी पत्नी की ओर देखता हूँ और बात खत्म हो जाती है, मैं क्या कह सकता हूँ। इसमें सच्चाई है। तो यह विचार कि यह एक अभिशाप होगा कि महिला अधीन रहना चाहेगी, भी ठीक नहीं बैठती। अतः स्त्री द्वारा अपने पति की चाहत के अर्थ का यह दूसरा विकल्प भी संभवतः उतना संभव नहीं है।

वेस्टमिंस्टर सेमिनरी की एक महिला थी जिसने "महिला की इच्छा" के अर्थ के बारे में एक लेख लिखा था और उसने शानदार ढंग से देखा कि ठीक उसी साहित्यिक वाक्यांश का उपयोग उत्पत्ति 4.7 में किया गया था। अब मैं जो करना चाहता हूँ वह इस पर टिप्पणी करना है: जो अंश कठिन हैं उनकी व्याख्या कैसे करें? क्या है महिला की चाहत? यह एक कठिन मार्ग है। हेर्मेनेयुटिक्स यह है कि आप पवित्रशास्त्र की व्याख्या कैसे करते हैं। यदि आपके पास एक अनुच्छेद है जिसका अर्थ आप जानते हैं, तो आपको ज्ञात से अज्ञात की ओर काम करना चाहिए। यदि आप नहीं जानते कि कुछ क्या है, तो आपको अन्य स्थानों पर देखना चाहिए जहां यह अधिक स्पष्ट हो सकता है, और आप स्पष्ट को कम स्पष्ट पर ले आते हैं। यह एक पद्धति है। तो उसने अध्याय 4.7 में देखा, यह कैन और एबल कहानी है। यह बिल्कुल वैसी ही संरचना है। परमेश्वर कैन के पास आता है और कहता है, "और यदि कैन तू ठीक काम करेगा, तो क्या तू ग्रहण न किया जाएगा? परन्तु यदि तुम उचित काम नहीं करते, तो पाप द्वार पर छिपा रहता है; यह [पाप] तुम्हें [कैन] पाना चाहता है, परन्तु तुम्हें इस पर शासन करना होगा।" क्या यह बिल्कुल स्पष्ट है? पाप एक शेर की तरह दरवाजे पर बैठा है जो कैन को निगलने के लिए तैयार है, लेकिन उसे उसे अपनी जगह पर रोके रखना होगा? क्या पाप कैन को स्वामी बनाता है? हाँ, उसने अपने भाई को मार डाला।

यह पुरुषों और महिलाओं के बीच संबंधों के बारे में क्या कह रहा है? "उसकी इच्छा अपने

पति के लिए होगी," जैसे पाप कैन पर हावी होना चाहता है, वैसे ही महिला भी अपने पति पर हावी होने की इच्छा करेगी। तब पति को उस पर शासन करना चाहिए। तो आपको पता चला कि विवाह में शक्ति का संघर्ष और संघर्ष है और यह अभिशाप का हिस्सा है। क्या आप अभिशाप के विरुद्ध लड़ते हैं या आप इसके आगे झुक जाते हैं? क्या आप बस इसे स्वीकार करते हैं या आप अभिशाप के खिलाफ लड़ते हैं। मैं चर्चा करना चाहता हूँ कि हम इसके खिलाफ कैसे लड़ें।'

क्या विवाह में शक्ति संघर्ष होने वाला है? मैं कुछ समय से यहाँ हूँ और मैंने कई अन्य शादियाँ देखी हैं। मेरी बेटी की हाल ही में शादी हुई है, मजदूर दिवस के सप्ताहांत में मैं ओहियो के लिए रवाना हुई और फिर सोमवार को वापस चली गई, यही कारण है कि मैं कक्षा में बहुत थक गई थी। मेरी बेटी ने एक ऐसे लड़के से शादी की जो वकील है, शिकागो विश्वविद्यालय का वकील है। क्या वह मेरी बेटी के साथ अपनी शादी में बहस करता है? क्या वह तार्किक तर्कों का उपयोग उसी तरह करता है जैसे वह अदालत के सामने किसी मामले पर बहस करता है? समस्या यह है कि मेरी बेटी बहुत मेधावी है, अपने पिता से भी अधिक मेधावी। क्या वह उससे बहस करती है? वे इस बढ़ते विवाद में पड़ जाते हैं। वह इस पर ज़ोर देता है क्योंकि वह केस हारना नहीं चाहता है। यदि आप वकील हैं तो आपको पता होना चाहिए कि कब आराम करना है। इसलिए वह इन तर्कों को लागू करता है। लेकिन दिक्कत क्या है, मेरी बेटी कभी नहीं हारती। इसलिए वह तर्क बढ़ाती है। वह तर्क बढ़ाता है। बहुत जल्द मैं प्रार्थना कर रहा हूँ कि वे एक-दूसरे को न मारें। वह नहीं जानती कि कब पीछे हटना है। तो वे वास्तव में इस पर जाएंगे। यह हत्या थी। यह वास्तव में हत्या नहीं थी। मुझे इसी बात की चिंता थी। ईमानदारी से कहूँ तो, मैंने कई उपदेश दिए हैं और अपनी बेटी की शादी में भी। सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों में से एक: आप कहते हैं, "मैं बस उससे प्यार करता हूँ, मैं बस उसकी पूजा करता हूँ।" शादी के लगभग एक सप्ताह बाद वह सब खत्म हो गया। क्या शादी में लड़ना सीखना सबसे महत्वपूर्ण चीज़ों में से एक है जो आप कर सकते हैं? कुछ ऐसी चीज़ें हैं जो बदसूरत और गंदी हैं जिन्हें आपको नहीं करना चाहिए। इसलिए आपको यह सीखने की जरूरत है कि संघर्ष को कैसे सुलझाया जाए। आपको यह जानना होगा कि कब पीछे हटना है और आपको यह जानना होगा कि कब आगे बढ़ना है। दूसरे शब्दों में, यह नृत्य आप करते हैं और आपको नृत्य करना सीखना होगा। इसमें से बहुत कुछ संघर्ष से निपट रहा है। आप कहते हैं, "नहीं, नहीं, हमारे बीच झगड़ा नहीं होगा,

मैं उससे बहुत प्यार करता हूँ।" मैं तुम्हें अभी बताऊंगा. वास्तव में यह भयानक है; लेकिन मैंने अपने बच्चों को बताया। उससे झगड़ा करो. पता लगाएं कि वह कैसे लड़ता है. आप कहते हैं कि यह वास्तव में भयानक है, यह शायद बुरी सलाह है लेकिन... तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि विवाह में संघर्ष होगा।

आइए बाइबल में पुरुष और महिला संबंधों को देखें। यह कोई बड़ी चर्चा नहीं है, हम न्यायाधीशों द्वारा बड़ी चर्चा करने तक प्रतीक्षा करेंगे, लेकिन मैं इसे यहां प्रस्तुत करना चाहता हूँ। कुछ लोग कहते हैं कि स्त्री को पुरुष की "सहायक" बनना था। इसलिए उसे इलेक्ट्रीशियन और इलेक्ट्रीशियन के सहायक की तरह, पुरुष की तुलना में अधीनस्थ या निम्न के रूप में देखा जाता था। इलेक्ट्रीशियन मुख्य सौदा है. सहायता वह गो-फ़र है जो पेचकस या जो कुछ भी प्राप्त करने के लिए चलता है। इसलिए, ईव को सहायक माना जाता था और वह इस "सहायक" शब्द के कारण पुरुष के लिए गौण थी। हिब्रू में, यह *एटज़र* है। आप इस शब्द को जानते हैं लेकिन आप यह नहीं जानते कि आप इसे जानते हैं। अनुमान लगाओ कि ईव के अलावा *एटज़र* किसे कहा जाता है? पुराने भजन के बारे में सोचें, "भगवान पिछले युगों में हमारी सहायता करते थे, आने वाले वर्षों के लिए हमारी आशा।" इन गानों को अब कोई नहीं जानता. यह परमेश्वर ही है जिसे "सहायक" कहा जाता है। यह शब्द एबेनेज़र से आया है। *एबेन* का अर्थ है "पत्थर"; *ईज़र* का अर्थ है "मदद।" इसका अर्थ है "मदद का पत्थर।" ईश्वर खुद को *एटज़र* कहता है, लेकिन आप यह नहीं कहेंगे कि वह एक सहायक था, जिस तरह से ईव एक सहायक था। वह उद्धारकर्ता या हमें बचाने वाले के अर्थ में सहायक है। इसलिए, आप इस तथ्य का उपयोग नहीं कर सकते कि ईव यहां नीचे है क्योंकि तब भगवान को भी अधीन होना होगा, जो हम जानते हैं कि वह नहीं है। तो वह तर्क काम नहीं करता.

यहाँ एक और तर्क है. आदम ने हव्वा का नाम रखा और आदम ने जानवरों का नाम रखा, और इससे पता चलता है कि वह "राजा" है। नामकरण जानवरों पर उसके प्रभुत्व को दर्शाता है, और इसलिए उसका उन पर प्रभुत्व है क्योंकि वह उसका नाम रखता है। लेकिन अध्याय एक और दो में ईव के नाम का उल्लेख नहीं है। यह केवल इतना कहता है कि भगवान ने उन्हें नर और मादा बनाया। उसका नाम एडम बताया गया है लेकिन उसका नाम नहीं बताया गया है। उसका नाम सबसे पहले तब सामने आता है जब एडम से कहा जाता है, "धूल, धूल तुम हो और धूल में ही लौट

आओगे।" जैसे ही उसे बताया गया कि वह मर जाएगा, वह उस समय अपनी पत्नी की ओर मुड़ता है और उसका नाम बताता है। "तुम मरती हो औरत, तुम औरत को श्राप देती हो।" ओह मुझे माफ करें। क्या एडम यही करता है? यहां समय बहुत महत्वपूर्ण है, श्राप मिलने के ठीक बाद वह उसका नाम रखता है। अध्याय 3.20 में, "आदम ने अपनी पत्नी का नाम *हवा* रखा।" आप सभी लोग जानते हैं कि *हवा* हमने *लेहायिम* से पहले ऐसा किया था, जीवन के लिए। वह उसे "जीवित" नाम देता है, जो सभी जीवित प्राणियों की माँ है। वह उसे एक अभिशाप के रूप में नहीं देखता है, बल्कि यह देखता है कि उसके माध्यम से, वह सभी जीवित प्राणियों की माँ है। इसी स्त्री के द्वारा सर्प के सिर को कुचलने वाली सन्तान उत्पन्न होगी। वह अपनी पत्नी को देखता है और सभी जीवित प्राणियों की माँ को देखता है। क्या वह उसका नामकरण करके अपना प्रभुत्व दिखा रहा है या वह उसके चरित्र और नियति को पहचान रहा है? वह उसके किरदार को पहचान रहा है और मुझे यहां किरदार से ज्यादा उसकी किस्मत अच्छी लगती है। अर्थात् उसके द्वारा वह बीज निकलेगा जो साँप के सिर को कुचल डालेगा। यह सुंदर है क्योंकि वह इसके माध्यम से उसका सम्मान कर रहा है, खासकर जब से उसे अभी कहा गया था "एडम, तुम मर चुके हो, तुम मिट्टी में लौटने जा रहे हो।" ईव में, आशा व्यक्त की गई है कि किसी दिन यह सब बदल जाएगा और वह इसे अपनी पत्नी में देखता है। यह वहां एक सुंदर मार्ग है।

तो बाइबल में कुछ अन्य स्थानों के बारे में क्या? नए नियम में, आइए नए नियम में केवल दो छंद पढ़ें, फिर हम पुराने नियम पर वापस जाएंगे। गलातियों में "इस प्रकार हमें मसीह तक ले जाने के लिए कानून को प्रभारी बनाया गया था।" फिर गलातियों 3.28 में, मसीह के चर्च में, "न तो यहूदी है और न ही यूनानी (पुराने नियम में यहूदी होना बेहतर था क्योंकि उनके पास भगवान के वादे थे, अन्यजाति बाहरी थे), न गुलाम और न ही स्वतंत्र (मसीह में) हम मसीह में भाई-बहन हैं, चाहे अमीर हों या गरीब), पुरुष हों या महिला... आप सभी मसीह यीशु में एक हैं।" इस शक्ति संरचना सामग्री का कोई संकेत नहीं है।

इफिसियों में 5.22 एक श्लोक है जिसके साथ मैं बड़ा हुआ हूँ। मेरे पिता वहां ग्रीक मॉडल में फिट बैठते थे। मैं जिस चर्च में पला-बढ़ा हूँ वहां अक्सर यह प्रचार किया जाता था, "पत्नियाँ अपने पतियों के प्रति ऐसे समर्पित होती हैं जैसे प्रभु के प्रति।" मुझे जीवन भर यही सिखाया गया। "पत्नियाँ

अपने पति के अधीन रहती हैं।” अब मैं पति हूँ. यह बहुत अच्छा नहीं हुआ. नहीं, सच तो यह है कि सब कुछ बहुत अच्छा हुआ, मेरी पत्नी बहुत विनम्र व्यक्ति थी। उसने मुझे बहुत सी चीजें सिखाईं. मैं तुम्हें वही सिखाने की कोशिश कर रहा हूँ जो उसने मुझे सिखाया। यह एक और चर्चा है. उस पर कुछ और कहानियाँ हैं। उसने विवाद पैदा नहीं किया. वह वह गर्दन थी जिसने सिर घुमा दिया। सिर ने सोचा कि वह सिर है लेकिन फिर गर्दन ने सिर घुमा दिया। लेकिन मेरे लिए दिलचस्प बात यह है कि, जैसा कि मैंने आपको इस कक्षा में सिखाने की कोशिश की, जब आप बाइबल की व्याख्या करते हैं तो आप शब्दों के अर्थ की व्याख्या कैसे करते हैं? प्रसंग। प्रसंग ही अर्थ निर्धारित करता है। जब आप इफिसियों 5.22 में हों, तो क्या आप सुझाव देंगे कि 5.21 संदर्भ के काफी करीब है? बिल्कुल। जब मैं छोटा था तो मैंने इफिसियों 5.21 पर शायद ही कोई उपदेश सुना हो। यह पूर्ववर्ती श्लोक है. यह कहता है, "मसीह के प्रति श्रद्धा रखते हुए एक दूसरे के अधीन रहो।" क्या पत्नी को पति के अधीन रहना चाहिए? हाँ। यहां कहा गया है कि उन्हें एक-दूसरे के प्रति समर्पण करना चाहिए। क्या पति को अपनी पत्नी के अधीन रहना चाहिए? हाँ। तो सवाल यह है कि क्या मेरी पत्नी मेरी सेवा करती है? क्या आप देखते हैं कि यह कितना अहंकारी और आत्ममुग्ध है? बल्कि सवाल यह है कि मैं अपनी पत्नी की सेवा कैसे करूँ? उसका प्रश्न है: मैं अपने पति की सेवा कैसे करूँ?

प्रश्न यह होना चाहिए कि मुझे अपने जीवनसाथी की सेवा कैसे करनी चाहिए? इसके आलोक में सत्ता संघर्ष का क्या होगा? आप सत्ता छोड़कर अभिशाप के विरुद्ध लड़ते हैं, सत्ता हथिया कर नहीं। मेरा मॉडल कौन है? क्या यहाँ कोई ग्रेस ब्रदरन है? यीशु नीचे आते हैं, “मैं ब्रह्मांड का राजा हूँ, झुको और मेरी पूजा करो। मैं ब्रह्मांड का राजा हूँ. पिता और मैं एक हैं. तुम लोग सेवक हो, मैं ब्रह्माण्ड का राजा हूँ । "नहीं। यीशु ने शिष्यों को खींच लिया और वे रात का खाना खाने जा रहे थे और उन्होंने कहा, "अपने जूते उतारो।" यदि आप ग्रेस ब्रदरन हैं तो वे आज भी ऐसा करते हैं। तो फिर यीशु क्या करता है? वह उनके पैर धोता है. क्या सत्ता संघर्ष खत्म हो गया? यहाँ ब्रह्मांड का राजा नीचे उतर रहा है और अपने शिष्यों के पैर धो रहा है। सत्ता संघर्ष? नहीं, वह अपनी शक्ति छोड़ देता है, और जब वह शिष्यों के पैर धोता है तो वास्तव में राजा बन जाता है। क्या वह नेतृत्व है? यह इस तरह के कृत्यों के कारण था कि शिष्य बाहर जाकर मसीह के लिए मरने को तैयार थे। मैं जो कह रहा हूँ वह यहां इस श्लोक के बारे में सावधान रहना है। वैवाहिक संघर्ष में सत्ता हथियाने से

सावधान रहें। जब मेरी पहली शादी हुई थी, तो मैं एक बहुत ही असुरक्षित व्यक्ति था, जिसने शुरू में सत्ता के लिए हथियाया था, लेकिन मैं सुझाव दे रहा हूँ कि ईसा मसीह की तरह बनूँ और इसे छोड़ना सीखूँ। इसलिए सत्ता संघर्ष से उत्पन्न नहीं होती, होता यह है कि मैं उसकी सेवा कैसे कर सकता हूँ? क्या इसी तरह आप अभिशाप के विरुद्ध लड़ते हैं? अभिशाप यह है कि यह शक्ति संघर्ष होगा, विवाह में यह संघर्ष होगा। इसका समाधान सत्ता हथिया कर नहीं बल्कि दूसरे की सेवा करके लड़ना है।

जी. आदमी पर श्राप [45:57-52:59]

अब आइए मनुष्य के अभिशाप पर नजर डालें। मनुष्य को अपने ही अभिशाप का सामना करना पड़ता है। क्या काम अभिशाप है? उत्पत्ति अध्याय 3 में, “उसने आदम से कहा, तू ने जो अपनी पत्नी की बात मानी, और उस वृक्ष का फल खाया, जिसके विषय में मैं ने तुझे आज्ञा दी थी, कि तू उसे न खाना, इस कारण भूमि तेरे कारण शापित है। तुम जीवन भर कठिन परिश्रम करके उसका फल खाओगे। वह तुम्हारे लिये काँटे और ऊँटकटारे उत्पन्न करेगा, और तुम मैदान के पौधे खाओगे। तुम अपने माथे के पसीने से तब तक भोजन खाओगे जब तक तुम भूमि पर न लौट आओ।” क्या काम अभिशाप है? आप कहते हैं, “हाँ, काम एक अभिशाप है।” नहीं, पतझड़ से पहले वापस जाएँ, जब आदम और हव्वा बगीचे में थे, इससे पहले कि कोई प्रलोभन आए, क्या आदम को कोई काम दिया गया था? क्या एडम को बगीचे की देखभाल करनी थी और बगीचे में काम करना था? क्या आदम और हव्वा को पतझड़ से पहले बगीचे में काम करना था? हाँ। काम अभिशाप नहीं है। कर्म की निरर्थकता अभिशाप है। क्या आपने कभी किसी चीज़ के लिए काम किया है और फिर सब कुछ बर्बाद होते देखा है? एक अद्भुत देशी गीत है जो कहता है, “इसे वैसे भी करो।” वह कहती हैं, “मैं बाहर जाऊंगी और ऐसा गाना गाऊंगी जिसे अगले दिन कोई याद नहीं रखेगा, लेकिन फिर भी मैं ऐसा करती हूँ।” मुझे लगता है कि इस तरह का बहुत सारा जीवन है जहाँ आपको इसे वैसे भी करना पड़ता है। आप किसी चीज़ के लिए सचमुच कड़ी मेहनत कर सकते हैं और फिर उसे टूटते हुए देख सकते हैं। कार्य की निरर्थकता; क्या आपमें से कुछ लोग उस निरर्थकता को जानते हैं? जब ऐसा होता है तो यह विनाशकारी होता है, जब आप किसी चीज़ में अपना दिल और आत्मा लगाते हैं और फिर आपको उसे टूटते हुए देखना पड़ता है। काम की

निरर्थकता ही समस्या है।

आप में से कुछ लोग पूछ रहे हैं, "मैं अपने जीवन के साथ क्या करने जा रहा हूँ?" मैं जो सुझाव देना चाहता हूँ वह यह है कि आप किसी प्रकार का रोजगार खोजें - क्या आपने ऐसे लोगों को देखा है जो प्रतिदिन 9 से 5 बजे तक काम करते हैं और उन्हें अपने काम से नफरत है? वे 5 बजे काम से निकलने का इंतज़ार नहीं कर सकते। यह उनके लिए आज़ादी है। सप्ताहांत में, मुझे अब काम नहीं करना पड़ता, मुझे बस उस नौकरी से नफरत है। वे पार्टी करते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि सोमवार को उन्हें काम पर वापस जाना होगा। क्या कुछ लोग उस अस्तित्व को जीते हैं? मेरा भाई बफ़ेलो में एक बड़ी मेट्रो प्रणाली का उपाध्यक्ष है, और हमारे बीच बड़ी चर्चा हुई क्योंकि हम दोनों अब बूढ़े हो गए हैं। हमने जीवन पर पीछे मुड़कर देखा। अब मैं यहां गॉर्डन कॉलेज में जो करता हूँ वह मुझे पसंद है। यह मेरे जीवन में सबसे अच्छी चीज है जो मैं कर सकता हूँ और भगवान ने मुझे ऐसा करने के लिए बुलाया है। मैं हर दिन सामान पर काम करने के लिए 5.00 या 5.30 बजे उठता हूँ, और फिर इस कक्षा के बाद मैं लगभग आधी रात तक इस वीडियो को संपादित करने पर काम करूंगा ताकि यह आपके लिए कल सुबह हो सके। जो मैं करता हूँ वो मुझे अच्छा लगता है। मेरा भाई कहता है, "मैं जो करता हूँ उससे मुझे नफरत है। मैं रिटायर होने का इंतज़ार नहीं कर सकता।" मैं जो कह रहा हूँ वह यह है: क्या आप लोगों के लिए कुछ ऐसा खोजना संभव है जिसे करना आपको पसंद हो? हां, आपके व्यवसाय और आपके जुनून का संगम होता है, जब ऐसा होता है तो तालमेल होता है। इसलिए, मेरा सुझाव है कि आप अपने जुनून और अपने व्यवसाय के बीच तालमेल बिठाएं और उसके लिए आगे बढ़ें।

तो, निरर्थक काम ही समस्या है और यह हम सभी को परेशान करती है। मनुष्य धूल से संघर्ष करता है। मूलतः, हम सभी धूल में मिल रहे हैं--मरने के लिए। आपमें से कुछ लोग जानते हैं कि मृत्यु कैसी होती है क्योंकि आपमें से कुछ के माता-पिता चले गये हैं। इसे देखना कठिन है। कुछ साल पहले मेरे पिता की कैंसर से मृत्यु हो गई और मुझे उस पूरी प्रक्रिया में उनकी मदद करनी पड़ी। यह भयावह था। आपमें से दूसरों के पास ऐसे दोस्त हैं जो कार दुर्घटनाओं में मारे गए हैं...पिता, माता, दादा और दादी और दोस्त जो मर चुके हैं। क्या मृत्यु एक समस्या है? मृत्यु एक बड़ी समस्या है। मुझे मौत से नफरत है। कैंसर ने मेरे पिता के साथ जो किया उससे मुझे नफरत है। मुझे

इससे नफरत है। लेकिन मैं जो कहना चाहता हूँ वह यह है कि जब यीशु नीचे आते हैं, तो वह क्या करते हैं? यह ऐसा है जैसे यीशु पृथ्वी पर आते हैं और कहते हैं, "तुम लोगों, तुम्हारी सबसे बुरी समस्या क्या है?" बड़ी समस्या क्या है? यह काम में व्यर्थता नहीं, बल्कि मृत्यु है। यीशु ने कहा, "अपनी सबसे बड़ी समस्या सामने लाओ, और इसे देखो? मैं क्या करके मृत्यु पर विजय पा लूँगा? मैं मरकर मृत्यु पर विजय प्राप्त करूँगा। मैं मरने जा रहा हूँ और फिर मृतकों में से जी उठूँगा।" क्या हम ईसाइयों के पास कब्र से परे आशा है? क्या मृत्यु ही अंतिम उत्तर है? मृत्यु इस चीज़ का अंत नहीं है। इसलिए हम ईसाई के रूप में यीशु की ओर देखते हैं। यीशु मृतकों में से जी उठे। यीशु कहते हैं कि जब वह वापस आएगा, जब हम उसे देखेंगे और हम उसके जैसे हो जायेंगे क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। किसी दिन मेरे पिताजी भी उठ खड़े होंगे। मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि जब मैं इस कक्षा को पढ़ा रहा होता हूँ तो वह क्या सोचता है। वह शायद ऊपर हँस रहा है। किसी दिन मेरे पिताजी फिर से जीवित हो जायेंगे और हम हमेशा के लिए प्रभु के साथ रहेंगे। वह कौन सी अवधारणा है? यह इममानुएल अवधारणा है जहां हम हमेशा-हमेशा के लिए भगवान के साथ बगीचे में वापस आ जाते हैं। तो पवित्रशास्त्र इस तरह से शुरू होता है और पवित्रशास्त्र उस तरह से समाप्त होता है जब हम अपने शरीर में भगवान के पास वापस आते हैं, यीशु की तरह मृतकों में से जीवित होकर हमेशा-हमेशा के लिए उसके साथ रहते हैं। यह एक खूबसूरत कहानी है। वह तो सबसे अच्छा है। मृत्यु विजयी नहीं है, यीशु ने उसे उड़ा दिया। यह अच्छी खबर है। हाँ, मनुष्य संघर्ष करेगा, हम सब मरने वाले हैं। मुझे आपमें से अधिकांश लोगों की तुलना में कम समय मिला है लेकिन कोई बात नहीं।

हम अब थोड़ा और तेज़ी से आगे बढ़ने जा रहे हैं। उत्पत्ति 1-3 संपूर्ण बाइबिल को स्थापित करता है। इसीलिए मैंने इस पर इतना समय लिया है। सृष्टि के वृत्तांत और बगीचे ने बाइबल के बाकी हिस्सों को स्थापित किया जो हमें अपने पास वापस लाने में ईश्वर का मुक्ति का कार्य है। आपने इसे निर्गमन की पुस्तक में देखा है। क्या आपने वहां मुक्ति देखी? इजराइल को मिस्र में गुलाम बनाया गया और भगवान ने क्या किया? वह नीचे आया और अपने दासों को मुक्त कर दिया, उन्हें ले लिया और उन्हें अपना कानून दिया। उसने उन्हें अपनी भूमि पर स्वतंत्र कर दिया। इस प्रकार परमेश्वर अपने लोगों को मिस्र से छुड़ा रहा है, और वह अपने लोगों को बाबुल की दासता से

छुड़ाकर वापस लाएगा। यीशु में, वह हमें अपने पास वापस लाने जा रहा है। आखिरकार, किसी दिन यह हमेशा के लिए आमने-सामने होने वाला है। तो यहीं पर पूरी चीज़ चल रही है। तो उत्पत्ति 1-3 इसे स्थापित करता है और उसके बाद आपके पास अपने लोगों को बार-बार छुड़ाने के लिए ईश्वर का मुक्तिदायक आंदोलन होता है। क्या उसके लोग हमेशा कहते हैं, "ओह, अब भगवान हमें छुड़ा रहे हैं और अब हम हमेशा आपकी सेवा करेंगे?" उसके लोग क्या करते हैं? वह उन्हें मन्ना देता है, वे क्या करते हैं? यह लेन फूड की तरह है, "मैं इससे तंग आ चुका हूं। हर समय एक जैसा खाना।" हममें से अधिकांश लोग जो परिसर में नहीं रहते हैं, कहते हैं कि यह वास्तव में अच्छा होगा क्योंकि आज रात मुझे घर जाना है और चिकन और ब्रोकोली पकाना है। थोड़ी देर बाद यह लंबा हो जाता है जब आपको खाना बनाना होता है और आप खाना नहीं बना पाते।

एच. कैन और हाबिल [53:00-61:29]

कैन और एबल की कहानी पर चलते हैं। यह बाइबिल में हत्या का पहला विवरण है। कैन हाबिल को मारने जा रहा है। मांस की भेंट कौन चढ़ाता है, हाबिल या कैन? हाबिल मांस की भेंट चढ़ाता है। क्या मांस की भेंट लहू बहाने के साथ होगी? मांस की भेंट लहू बहाने के साथ होती है। जब मैं अनाज की पेशकश कहता हूँ, तो अनाज की पेशकश में क्या समस्या है? मैं चीयरियोस के बारे में बात नहीं कर रहा हूँ। जब आप प्राचीन निकट पूर्व में अनाज के बारे में बात करते हैं, तो यह मूल रूप से गेहूँ और जौ है। वैसे, क्या कैन भूमि की उपज, गेहूँ और जौ की बलि चढ़ाता है? हाँ। इनमें से कौन सा ईश्वर को स्वीकार्य था? हाबिल की भेंट स्वीकार्य थी। जब मैं बड़ा हुआ, तो लोगों ने कहा कि हाबिल का बलिदान इसलिए स्वीकार्य था क्योंकि यह एक रक्त बलिदान था। "खून बहाए बिना पाप की माफी नहीं है।" हाबिल की भेंट स्वीकार कर ली गई क्योंकि यह खून बहाया गया था और इसलिए यह एक स्वीकार्य भेंट थी। जबकि कैन की बलि खून बहाने वाली नहीं थी; इसलिए वह स्वीकार्य नहीं था। कैन ने खून नहीं बहाया बल्कि अनाज और धान्य बहाया। परन्तु कैन को अस्वीकार नहीं किया गया क्योंकि यह रक्त की भेंट नहीं थी। क्या यही वास्तविक कारण है कि परमेश्वर ने एबल की भेंट को स्वीकार कर लिया और कैन की भेंट को अस्वीकार कर दिया? जवाब न है।" क्या परमेश्वर ने इस्राएल को अन्नबलि चढ़ाने की आज्ञा दी थी? हाँ, उसने लैव्यव्यवस्था अध्याय 2 में किया था। जब आप लैव्यव्यवस्था अध्याय 2 में जाते हैं, तो परमेश्वर इस्राएल को अपना अनाज, अपनी फसल का पहला फल चढ़ाने की आज्ञा देता है। अनाज भगवान के लिए वैध बलिदान थे। कैन की समस्या उस सामग्री में नहीं थी जो उसने पेश की थी। क्या कैन के मन में अपने भाई के प्रति बुरा और घृणा थी? मुद्दा उसके दिल का था, न कि वह चीज़ जो उसने पेश की थी। इसलिए गुमराह न हों क्योंकि भगवान ने उन्हें अनाज का प्रसाद चढ़ाने के लिए कहा था।

वह कहती है कि हाबिल ने सबसे अच्छे को पेश किया। मैं इस पर आपत्ति करना चाहता हूँ क्योंकि यह उस अपराध को भेंट की ओर ले जाता है जबकि यह भेंट में नहीं था, बल्कि यह उस व्यक्ति का हृदय था जो भेंट लाता है। पूरे धर्मग्रन्थ में यह भेंट के विवरण से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए, मुझे लगता है कि जब हम इसे पेशकश के प्रकार तक लाने की कोशिश करते हैं तो

हम गुमराह हो जाते हैं। मुझे लगता है कि बात भूल गई है। भगवान कई स्थानों पर कहते हैं, "मैं दया चाहता हूँ, बलिदान नहीं।" तो समस्या यह है कि कभी-कभी हम बलिदान पर ध्यान केंद्रित करते हैं और यह महसूस नहीं करते हैं कि वह वास्तव में दया, न्याय और धार्मिकता मांग रहा है - यही वह है जिस पर उसने ध्यान केंद्रित किया था।

तो भगवान कैन के पास आते हैं और कहते हैं, "कैन, यदि तुम ऐसा करते हो तो तुम बुरी स्थिति में हो।" कैन ने अपने भाई हाबिल से कहा, "आओ, मैदान में चलें।" जब वे मैदान में थे तो कैन ने अपने भाई हाबिल पर हमला किया और उसे मार डाला। यहोवा ने कैन से कहा, "तुम्हारा भाई हाबिल कहाँ है?" उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता।" फिर वह यह क्लासिक लाइन बनाता है। यह एक उत्कृष्ट पंक्ति है जिसे आप सभी को जानना चाहिए: "क्या मैं अपने भाई का रक्षक हूँ?" यह पवित्रशास्त्र की एक उत्कृष्ट पंक्ति है। कैन ने परमेश्वर से कहा, क्या मैं अपने भाई का रखवाला हूँ? वह भगवान को क्या उत्तर सुझा रहा था? कैन ने सोचा कि उत्तर था: नहीं, मैं अपने भाई का रक्षक नहीं हूँ। कैन इस अलंकारिक प्रश्न में यही संकेत दे रहा था। कैन ने सोचा कि इस प्रश्न का उत्तर यह है कि वह अपने भाई का रक्षक नहीं था।

लेकिन क्या हम असल में अपने भाई के रखवाले हैं? हाँ। इसलिए कैन ने अपने भाई को मार डाला। यह उत्पत्ति के निर्माण के संदर्भ में बहुत सी बातें सामने लाता है। क्या आपने कभी किसी परिवार में अच्छे भाई/बुरे भाई की स्थिति देखी है? क्या आपको भाई-बहनों की प्रतिस्पर्धी प्रकृति से ऐसी अन्य चीजें मिलती हैं? क्या आपके परिवार में कभी भाई-बहनों के बीच प्रतिस्पर्धा होती है? मेरे परिवार में पाँच बच्चे थे और मैं सबसे बड़ा था। मेरी आखिरी बहन का जन्म हम सभी के पाँच या छह साल बाद हुआ था। इसलिए जब मैं बड़ा हुआ तो मेरे पिता, मुझे यह भी नहीं पता था कि आपकी संस्कृति में इसे कैसे कहा जाए। मेरे पिता एक सख्त इंसान थे। मैं उसे बेल्ट का आदमी कहूँगा। अब जैसे ही मैं कहता हूँ कि तुम लोग चिल्लाते हो, "गाली दो, गाली दो। उसने वास्तव में तुम्हें बेल्ट से मारा था।" उन दिनों हम उसे अनुशासन कहते थे, दुर्व्यवहार नहीं। क्या मेरे पिता मुझसे प्यार करते थे? उत्तर "हाँ" है और इसीलिए उसने ऐसा किया। वह हमारे साथ सख्त थे। वह मेरे भाई और मेरे साथ बहुत सख्त थे, लेकिन जब तक मेरी बहन, जो वहाँ पाँच साल के अंतर पर थी, मेरी बहन, मेरा भाई और मैं पीछे खड़े हो गए और आश्चर्यचकित हो गए कि वह सब कुछ लेकर

कैसे बच गई। उसने मेरे पिता को अपनी छोटी उंगली में लपेट रखा था। क्या हमें ईर्ष्या हुई? हम अंतर देख सकते थे। यहां क्या हुआ? यहाँ क्या हुआ कि मेरे पिता जैसे-जैसे बड़े होते गए, वैसे-वैसे ढीले पड़ते गए। तो जो प्रतिस्पर्धी प्रकृति आप यहाँ देखते हैं वह जेनेसिस में भी देखी जाती है।

मुझे जेनेसिस में भाई-बहन की प्रतिद्वंद्विता के बारे में बताएं। मुझे उत्पत्ति में भाई-बहन की प्रतिद्वंद्विता का एक उदाहरण दीजिए। लिआ और रेचेल के बीच बड़े भाई-बहन की प्रतिद्वंद्विता थी। तू ने कहा, याकूब और एसाव। क्या किसी को दूसरा मिला है? यूसुफ और उसके भाई एक अच्छा उदाहरण हैं। भाई-बहन की प्रतिद्वंद्विता का विषय उत्पत्ति में एक बड़ा आवर्ती विषय है।

जब मैं बच्चा था, मैं और मेरा भाई हर समय लड़ते रहते थे। एक बार वह मुझ पर बहुत क्रोधित हो गया, उसने एक बटर नाइफ उठाया और जितना जोर से वह मुझ पर फेंक सकता था, फेंक दिया। "पवित्र गाय, तुम चाकू के साथ क्या कर रही हो?" इसलिए मैंने बचाव के लिए अपनी बांहें ऊपर उठाई और चाकू मेरी बांह में लग गया और मेरी बांह में फंसकर वहीं लटक गया। मैं अपनी बांह पर इस चाकू के लटकने के अहसास को कभी नहीं भूलूंगा। मेरा भाई दुनिया का सबसे महान व्यक्ति है। वह पागल है, लेकिन वह महान है। तो उसके बाद हम दोनों ने तुरंत सोचा, "जब पिताजी घर आएंगे। यह तो बुरा हुआ। जब वह घर पहुंचेगा तो वह हमें मार डालेगा।" इसलिए, वह इसे खींचने की कोशिश करता है और हम इसे बाहर नहीं निकाल पाते हैं। तो, हम अपनी माँ के पास गए। हम अपनी माँ को इसमें क्यों लाए? हमें अपने पिता का सामना करना होगा और यह पूर्ण आतंक है। इसलिए हम अपनी माँ को अपने साथ लाने की कोशिश करने के लिए उनके पास गए। वह इसे बाहर भी नहीं निकाल सकती। तो, फिर क्या होता है? मुझे इसे स्वयं बाहर निकालना पड़ा। तो फिर क्या होता है? मेरे पिताजी घर आते हैं, हम कार की आवाज़ सुनते हैं और हम चारपाई के नीचे छिपते हुए पहाड़ियों की ओर भागते हैं। हम तैयार हैं। पिताजी घर आ जाते हैं, और मेरी माँ इसे यथासंभव बेहतर ढंग से निपटाने के लिए बाहर जाती है। अचानक, हमने सुना कि मेरे पिताजी चिल्लाने लगे। वह चिल्लाना शुरू कर देता है और हम इसे तहखाने में सुनते हैं। "कैन! कैन! उसने अपने भाई को मारने की कोशिश की!" अब मैं और मेरा भाई दोनों बूढ़े हो गये हैं। तो आपके पास ये दो बूढ़े लोग बैठे हैं जो हंस रहे हैं क्योंकि हमें अपने पिताजी के साथ यह बात याद है। यह मेरे लिए हमेशा एक बहुत ही खास मार्ग रहा है। मुझे कहना चाहिए कि मेरा भाई मेरे जीवन का सबसे

अच्छा दोस्त है। लेकिन मैं बटर-चाकू फेंकने की अनुशंसा नहीं करता।

I. कैन पर श्राप [61:18-64:41]

अब आइए कैन के अभिशाप पर चर्चा करें। कैन को श्राप मिलता है, और कैन के श्राप से क्या होता है ? कैन का श्राप यह है कि उसे भटकना पड़ेगा। उसे अपने श्राप के कारण एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए भटकने की निंदा की जाती है। कैन अपने शेष जीवन के लिए वैसा ही रहने वाला है - एक पथिक, जिसका अर्थ है कि वह अपने शेष जीवन के लिए काफी हद तक अकेला रहने वाला है। तो हम इस अकेलेपन वाली चीज़ पर वापस आ गए हैं। क्या अकेलापन दुनिया की सबसे बुरी चीज़ों में से एक है? मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मेरा काफी सारा जीवन अकेले बीता है और यह सबसे बुरी भावनाओं में से एक है, ऐसा महसूस होना कि आप पूरे ब्रह्मांड में अकेले हैं। यह मेरे जीवन में अब तक अनुभव की गई सबसे निराशाजनक चीज़ों में से एक है। क्या हमारी संस्कृति में लोगों को घुमक्कड़ी होने पर समस्याएँ होती हैं? क्या हमारी संस्कृति में लोग बहुत आगे बढ़ते हैं? जब आप जवान होते हैं, तो आप काफी सुलझे हुए होते हैं, लेकिन जब आप बड़े हो जाते हैं तो आप बहुत अधिक हिलना-डुलना शुरू कर देते हैं। मैं और मेरी पत्नी अपनी शादी के पहले आठ वर्षों में आठ बार एक दूसरे से अलग हुए। एक चाल इज़राइल की ओर थी, और दूसरी ब्रिस्टल, टेनेसी की ओर वापस थी। वैसे भी, मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि हम आठ बार चले और थोड़ी देर बाद, हम चले और चले गए और चले गए। यात्रा करना बहुत अच्छा है, लेकिन क्या आपने कभी इतनी यात्रा की है कि आप हमेशा यात्रा करते-करते थक गए हों और बस घर जाना चाहते हों? घर क्या है? मैं और मेरी पत्नी यह समझने में संघर्ष कर रहे हैं कि घर अब हमारे लिए कहाँ है। यह लगभग ऐसा है जैसे हमारी जड़ें काट दी गई हों। कहाँ है घर? यह कुछ ऐसा है जैसे आप जहाँ हैं वही घर है। यह वैसा ही है क्योंकि हमारी कोई जड़ें नहीं हैं। मैं बस इतना चाहता हूँ कि आप इसके बारे में सोचें। मैं स्वयं नहीं जानता कि इसके बारे में क्या करना चाहिए। आपके पास घर की भावना है, स्थान और अपनेपन की भावना है और आप वहाँ अपनी जड़ें जमाते हैं। मैं जानता हूँ कि हमारी संस्कृति पूरी तरह भटकने के बारे में है, लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि भटकने के बारे में सावधान रहें क्योंकि आप जीवन भर भटकते रह सकते हैं। कैन को इस भटकन का श्राप मिला था। जब खोज की बात आती है तो भटकना ठीक है, लेकिन आपको सावधान रहना

चाहिए कि घर की भावना, जड़ता और अपनेपन की भावना या स्थान की भावना को न खोएं।

तो कैन पथिक बन जाता है। अध्याय 4 में यह कहा गया है, "कैन प्रभु की उपस्थिति से बाहर चला गया।" तो आपको क्या पता चला कि कैन किस ओर बढ़ रहा है? क्या वह ईश्वर की ओर बढ़ रहा है या उससे दूर जा रहा है? वह ईश्वर से दूर जा रहा है और ईश्वर से छिप रहा है। तो, यह कैन की समस्या है।

इसलिए कैन की कहानी बाइबिल में पहली हत्या के समान दुखद है। वैसे, कैन ने कहा, "एक मिनट रुको, मैंने अपने भाई की हत्या कर दी, लेकिन तुमने अभी तक दस आज्ञाएँ नहीं दीं। वे निर्गमन 20 तक साथ नहीं आते। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया। तुमने मुझसे यह नहीं कहा कि उसे मत मारो। मुझे नहीं पता था कि इसका क्या मतलब है और यह गलत था।" क्या कैन को पता था कि परमेश्वर का नियम उसके हृदय पर लिखा हुआ है? क्या मनुष्य के पास विवेक है? हाँ, परमेश्वर का नियम उनके हृदय पर लिखा हुआ है (रोमियों 2)। वह जानता था कि यह गलत है। आपको इतिहास में ईश्वर के रहस्योद्घाटन के संदर्भ में काम करना होगा।

जे. बाढ़: परमेश्वर के पुत्र और पुरुषों की बेटियाँ [64:42-68:25]

यहाँ एक और है: बाढ़। मैं इसका परिचय देना चाहता हूँ। आपके पास बाढ़ है, जहां उत्पत्ति 6 में भगवान के पुत्रों ने पुरुषों की बेटियों से शादी की। भगवान के पुत्र कौन थे? यह कहता है, "अब जब मनुष्य पृथ्वी पर बहुत बढ़ने लगे, तब उनके बेटियाँ उत्पन्न हुईं। परमेश्वर के पुत्रों ने देखा कि मनुष्यों की बेटियाँ सुन्दर हैं, और उन्होंने उनमें से जिसे चाहा उससे विवाह कर लिया। और परमेश्वर ने कहा, मेरी आत्मा मनुष्य से सर्वदा संघर्ष न करेगी, क्योंकि वह नश्वर है। उसके दिन 120 वर्ष होंगे।" इसलिए वह इसे सीमित कर रहा है। बाद में यह कहा गया कि परमेश्वर अपने पुत्रों द्वारा मनुष्यों की पुत्रियों से विवाह करने से दुःखी था। ये परमेश्वर के पुत्र और ये मनुष्य की पुत्रियाँ कौन हैं? मैं इसके तीन समाधान सुझाना चाहता हूँ। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मैंने अपने जीवन में विभिन्न बिंदुओं पर इनमें से प्रत्येक को सिखाया है और उन पर विश्वास किया है। इसलिए, मुझे यकीन नहीं है कि क्या उत्तर सौ प्रतिशत गारंटीकृत है। मैं कह रहा हूँ कि ये "उत्तर" संभावित समाधान हैं।

परमेश्वर के इन पुत्रों द्वारा मनुष्यों की पुत्रियों से विवाह करने पर परमेश्वर इतना क्रोधित क्यों

हुआ? उनके ऐसे बच्चे क्यों थे जो दानव या नेफिलिम थे? उनके बच्चे इतने खास क्यों थे? वैसे, ज्यादातर लोग इसे हमेशा छोड़ देते हैं। कोई भी निश्चित रूप से यह नहीं समझ सकता कि ये लोग कौन थे। लेकिन हर कोई इसे छोड़ देता है, "उनके कारण पृथ्वी हिंसा से भर गई।" परमेश्वर कहता है, "मैं पृथ्वी को निश्चय नष्ट कर दूँगा।" वह न केवल परमेश्वर के पुत्रों के कारण पृथ्वी को नष्ट करता है, बल्कि इसलिए भी कि पृथ्वी हिंसा से भर गई थी। हिंसा के लिए हिब्रू शब्द क्या है? अब जब आप *हमास* कहते हैं, तो यह एक कठिन "ह" है। नेट का कहना है कि उसे ह्यूमस बहुत पसंद है। आपको *ह्यूमस पसंद है*, लेकिन अमेरिका में यह भयानक है। लेकिन इजराइल में आप असली चीजें खाते हैं। यह आश्चर्यजनक है। यह फिलाडेल्फिया के बाहर फिलाडेल्फिया चीज़स्टीक खाने जैसा है। यह वैसा ही नहीं है। इजराइल में एक निश्चित स्थान है जहां दुनिया का सबसे अच्छा ह्यूमस है। दूसरी चीज़ आपको इसे बकलावा कभी कभी खाना है। वैसे भी, *हमास*, चलो खाने का सामान छोड़ दें। आप लोग क्यों जानते हैं कि उस हिब्रू शब्द का क्या अर्थ है? ऐसा इसलिए है क्योंकि आपने हमास समूह के बारे में सुना है। इस्राइल में आज समूह को हमास कहा जाता है। अरबी और हिब्रू में उस शब्द का क्या अर्थ है? इसका अर्थ है "हिंसा।" क्या आपको अंदाज़ा है कि उनके साथ क्या हो रहा है? हिंसा उनकी चीज़ है क्योंकि यह उनके नाम में अंतर्निहित है। हमारे पास परमेश्वर के पुत्र और मनुष्य की पुत्रियाँ हैं, और इसमें मेरी अपेक्षा से अधिक समय लगने वाला है। इसलिए मैं चर्चा को समाप्त नहीं करना चाहता। मैं आपसे यह चाहता हूँ कि आप उत्पत्ति की पूरी किताब साठ सेकंड में लिखें। हम साठ सेकंड में बाइबिल- रॉबिक्स करेंगे और फिर हमारा काम हो जाएगा।

डेव क्लेमर और टेड हिल्लेब्रांट द्वारा लिखित
टेड हिल्लेब्रांट -2 द्वारा रफ संपादित